Mat

Chapter 22

Hindi Interlinear

Reference: Hindi Easy-to-Read Version

1

Καὶ	ἀποκριθεὶς	ὁ	Ἰησοῦς	πάλιν	εἶπεν	ἐν	παραβολαῖς	αὐτοῖς,	λέγων,
और	उत्तर-देकर	-वह	यीशु	फिर	कहा	-में	दृष्टान्तों	उन-से	कहते-हुए
G2532	G0611	G3588	G2424	G3825	G3004	G1722	G3850	G0846	G3004

> एक बार फिर यीशु उनसे दृष्टान्त कथाएँ कहने लगा। वह बोला,

2

Ὡμοιώθη	ἡ	βασιλεία	τῶν	οὐρανῶν	ἀνθρώπῳ,	βασιλεῖ,	ὅστις	ἐποίησεν
समान-है	-वह	राज्य	-के	स्वर्गों	मनुष्य-से	राजा	जिसने	किया
G3666	G3588	G0932	G3588	G3772	G0444	G0935	G3748	G4160

γάμους	τῷ	υἱῷ	αὐτοῦ,
विवाह	-के	पुत्र	अपने
G1062	G3588	G5207	G0846

> “स्वर्ग का राज्य उस राजा के जैसा है जिसने अपने बेटे के ब्याह पर दावत दी।

3

καὶ	ἀπέστειλεν	τοὺς	δούλους	αὐτοῦ,	καλέσαι	τοὺς	κεκλημένους	εἰς	τοὺς
और	भेजा	-उन	दासों	अपने	बुलाने	-उन	बुलाए-गए	-में	-उस
G2532	G0649	G3588	G1401	G0846	G2564	G3588	G2564	G1519	G3588

γάμους,	καὶ	οὐκ	ἤθελον	ἐλθεῖν.
विवाह	और	नहीं	चाहते-थे	आना
G1062	G2532	G3756	G2309	G2064

> राजा ने अपने दासों को भेजा कि वे उन लोगों को बुला लायें जिन्हें विवाह भोज पर न्योता दिया गया हे। किन्तु वे लोग नहीं आये।

4

πάλιν	ἀπέστειλεν	ἄλλους	δούλους,	λέγων,	Εἴπατε	τοῖς	κεκλημένοις,	Ἰδοὺ,	τὸ
फिर	भेजा	अन्य	दासों	कहते-हुए	कहो	-उन	बुलाए-गए-से	देखो	-वह
G3825	G0649	G0243	G1401	G3004	G3004	G3588	G2564	G3708	G3588

ἄριστόν	μου	ἡτοίμακα,	οἱ	ταῦροί	μου,	καὶ	τὰ	σιτιστὰ	τεθυμένα,	καὶ
भोज	मेरी	तैयार-की-है	-वे	बैल	मेरे	और	-वे	पले-हुए	मारे-गए	और
G0712	G1473	G2090	G3588	G5022	G1473	G2532	G3588	G4619	G2380	G2532

πάντα	ἕτοιμα;	δεῦτε	εἰς	τοὺς	γάμους.
सब	तैयार	आओ	-में	-उस	विवाह
G3956	G2092	G1205	G1519	G3588	G1062

> “उसने अपने सेवकों को फिर भेजा, उसने कहा कि जिन लोगों को विवाह भोज पर बुलाया गया है उनसे कहो, ‘देखो मेरी दावत तैयार है। मेरे साँडों और मोटे ताजे पशुओं को काटा जा चुका है। सब कुछ तैयार है। ब्याह की दावत में आ जाओ।’

5

οἱ	δὲ	ἀμελήσαντες	ἀπῆλθον,	ὃς	μὲν	εἰς	τὸν	ἴδιον	ἀγρόν,	ὃς
-वे	परन्तु	उपेक्षा-करके	गए	जो	तो	-में	-अपने	खुद-के	खेत	जो
G3588	G1161	G0272	G0565	G3739	G3303	G1519	G3588	G2398	G0068	G3739

δὲ	ἐπὶ	τὴν	ἐμπορίαν	αὐτοῦ.
और	-पर	-अपनी	व्यापार	उसकी
G1161	G1909	G3588	G1711	G0846

> “पर लोगों ने उस पर कोई ध्यान नहीं दिया और वे चले गये। कोई अपने खेतों में काम करने चला गया तो कोई अपने काम धन्धे पर।

6

οἱ	δὲ	λοιποὶ,	κρατήσαντες	τοὺς	δούλους	αὐτοῦ,	ὕβρισαν	καὶ
-वे	और	शेष	पकड़कर	-उन	दासों	उसके	अपमानित-किया	और
G3588	G1161	G3062	G2902	G3588	G1401	G0846	G5195	G2532

ἀπέκτειναν.
मार-डाला
G0615

> और कुछ लोगों ने तो राजा के सेवकों को पकड़ कर उनके साथ मार-पीट की और उन्हें मार डाला।

7

ὁ	δὲ	βασιλεὺς	ὠργίσθη,	καὶ	πέμψας	τὰ	στρατεύματα	αὐτοῦ,	ἀπώλεσεν
-वह	और	राजा	क्रोधित-हुआ	और	भेजकर	-वे	सेनाएं	अपनी	नाश-किया
G3588	G1161	G0935	G3710	G2532	G3992	G3588	G4753	G0846	G0622

τοὺς	φονεῖς	ἐκείνους,	καὶ	τὴν	πόλιν	αὐτῶν	ἐνέπρησεν.
-उन	हत्यारों	उन	और	-उस	नगरी	उनकी	जला-दी
G3588	G5406	G1565	G2532	G3588	G4172	G0846	G1714

> सो राजा ने क्रोधित होकर अपने सैनिक भेजे। उन्होंने उन हत्यारों को मौत के घाट उतार दिया और उनके नगर में आग लगा दी।

8

τότε	λέγει	τοῖς	δούλοις	αὐτοῦ,	Ὁ	μὲν	γάμος	ἕτοιμός	ἐστιν,	οἱ	δὲ
तब	कहता-है	-उन	दासों-से	अपने	-वह	तो	विवाह	तैयार	है	-वे	परन्तु
G5119	G3004	G3588	G1401	G0846	G3588	G3303	G1062	G2092	G1510	G3588	G1161

κεκλημένοι	οὐκ	ἦσαν	ἄξιοι;
बुलाए-गए	नहीं	थे	योग्य
G2564	G3756	G1510	G0514

> “फिर राजा ने सेवकों से कहा, ‘विवाह भोज तैयार है किन्तु जिन्हें बुलाया गया था, वे अयोग्य सिद्ध हुए।

9

πορεύεσθε	οὖν	ἐπὶ	τὰς	διεξόδους	τῶν	ὁδῶν,	καὶ	ὅσους	ἐὰν	εὕρητε,
जाओ	तो	-पर	-उन	चौराहों	-के	मार्गों	और	जितनों	भी	पाओ
G4198	G3767	G1909	G3588	G1327	G3588	G3598	G2532	G3745	G1437	G2147

καλέσατε	εἰς	τοὺς	γάμους.
बुलाओ	-में	-उस	विवाह
G2564	G1519	G3588	G1062

> इसलिये गली के नुक्कड़ों पर जाओ और तुम जिसे भी पाओ ब्याह की दावत पर बुला लाओ।’

10

καὶ	ἐξελθόντες,	οἱ	δοῦλοι	ἐκεῖνοι	εἰς	τὰς	ὁδοὺς,	συνήγαγον	πάντας
और	निकलकर	-वे	दासे	वे	-में	-उन	मार्गों	इकट्ठा-किया	सब
G2532	G1831	G3588	G1401	G1565	G1519	G3588	G3598	G4863	G3956

οὓς	εὗρον,	πονηρούς	τε	καὶ	ἀγαθούς;	καὶ	ἐπλήσθη	ὁ	γάμος
जिन्हें	पाया	बुरों	तथा	और	भलों	और	भर-गया	-वह	विवाह
G3739	G2147	G4190	G5037	G2532	G0018	G2532	G4130	G3588	G1062

ἀνακειμένων.
बैठों-से
G0345

> फिर सेवक गलियों में गये और जो भी भले बुरे लोग उन्हें मिले वे उन्हें बुला लाये। और शादी का महल मेहमानों से भर गया।

11

εἰσελθὼν	δὲ	ὁ	βασιλεὺς	θεάσασθαι	τοὺς	ἀνακειμένους,	εἶδεν	ἐκεῖ
प्रवेश-करके	और	-वह	राजा	देखने	-उन	बैठों	देखा	वहां
G1525	G1161	G3588	G0935	G2300	G3588	G0345	G3708	G1563

ἄνθρωπον	οὐκ	ἐνδεδυμένον	ἔνδυμα	γάμου;
मनुष्य	नहीं	पहने-हुए	वस्त्र	विवाह-का
G0444	G3756	G1746	G1742	G1062

> “किन्तु जब मेहमानों को देखने राजा आया तो वहाँ उसने एक ऐसा व्यक्ति देखा जिसने विवाह के वस्त्र नहीं पहने थे।

12	καὶ	λέγει	αὐτῷ,	Ἑταῖρε,	πῶς	εἰσῆλθες	ὧδε	μὴ	ἔχων	ἔνδυμα	γάμου?
	और	कहता–है	उस–से	मित्र	कैसे	प्रवेश–किया	यहां	न	रखते–हुए	वस्त्र	विवाह–का
	G2532	G3004	G0846	G2083	G4459	G1525	G5602	G3361	G2192	G1742	G1062

ὁ	δὲ	ἐφιμώθη.
–वह	और	चुप–हो–गया
G3588	G1161	G5392

> राजा ने उससे कहा, ‘हे मित्र, विवाह के वस्त्र पहने बिना तू यहाँ भीतर कैसे आ गया?’ पर वह व्यक्ति चुप रहा।

13	τότε	ὁ	βασιλεὺς	εἶπεν	τοῖς	διακόνοις,	Δήσαντες	αὐτοῦ,	πόδας	καὶ	χεῖρας,
	तब	–वह	राजा	कहा	–उन	सेवकों–से	बांधकर	उसके	पैर	और	हाथ
	G5119	G3588	G0935	G3004	G3588	G1249	G1210	G0846	G4228	G2532	G5495

ἐκβάλετε	αὐτὸν	εἰς	τὸ	σκότος	τὸ	ἐξώτερον;	ἐκεῖ	ἔσται	ὁ	κλαυθμὸς
डालो	उसे	–में	–उस	अंधकार	–वह	बाहरी	वहां	होगा	–वह	रोना
G1544	G0846	G1519	G3588	G4655	G3588	G1857	G1563	G1510	G3588	G2805

καὶ	ὁ	βρυγμὸς	τῶν	ὀδόντων.
और	–वह	पीसना	–के	दांतों
G2532	G3588	G1030	G3588	G3599

> इस पर राजा ने अपने सेवकों से कहा, ‘इसके हाथ-पाँव बाँध कर बाहर अन्धेरे में फेंक दो। जहाँ लोग रोते और दाँत पीसते होंगे।’

14	Πολλοὶ	γάρ	εἰσιν	κλητοὶ,	ὀλίγοι	δὲ	ἐκλεκτοί.
	बहुत	क्योंकि	हैं	बुलाए–गए	थोड़े	परन्तु	चुने–हुए
	G4183	G1063	G1510	G2822	G3641	G1161	G1588

> “क्योंकि बुलाये तो बहुत गये हैं पर चुने हुए थोड़े से हैं।”

15	Τότε	πορευθέντες,	οἱ	Φαρισαῖοι	συμβούλιον	ἔλαβον	ὅπως	αὐτὸν	παγιδεύσωσιν
	तब	जाकर	–वे	फरीसियों–ने	सलाह	ली	ताकि	उसे	फंसाएं
	G5119	G4198	G3588	G5330	G4824	G2983	G3704	G0846	G3802

ἐν	λόγῳ.
–में	वचन
G1722	G3056

> फिर फरीसियों ने जाकर एक सभा बुलाई, जिससे वे इस बात का आपस में विचार-विमर्श कर सकें कि यीशु को उसकी अपनी ही कही किसी बात में कैसे फँसाया जा सकता है।

16	καὶ	ἀποστέλλουσιν	αὐτῷ	τοὺς	μαθητὰς	αὐτῶν,	μετὰ	τῶν	Ἡρῳδιανῶν,
	और	भेजते–हैं	उसके–पास	–उन	चेलों	अपने	साथ	–के	हेरोदियों
	G2532	G0649	G0846	G3588	G3101	G0846	G3326	G3588	G2265

λέγοντες,	Διδάσκαλε,	οἴδαμεν	ὅτι	ἀληθὴς	εἶ,	καὶ	τὴν	ὁδὸν	τοῦ	Θεοῦ
कहते–हुए	गुरू	जानते–हैं	कि	सच्चा	है	और	–उस	मार्ग	–के	परमेश्वर
G3004	G1320	G1492	G3754	G0227	G1510	G2532	G3588	G3598	G3588	G2316

ἐν	ἀληθείᾳ	διδάσκεις,	καὶ	οὐ	μέλει	σοι	περὶ	οὐδενός,	οὐ	γὰρ
–में	सच्चाई	सिखाता–है	और	नहीं	चिन्ता–है	तुझे	–के–बारे	किसी–की	नहीं	क्योंकि
G1722	G0225	G1321	G2532	G3756	G3199	G4771	G4012	G3762	G3756	G1063

βλέπεις	εἰς	πρόσωπον	ἀνθρώπων;
देखता–है	–को	मुख	मनुष्यों–का
G0991	G1519	G4383	G0444

> उन्होंने अपने चेलों को हेरोदियों के साथ उसके पास भेजा। उन लोगों ने यीशु से कहा, “गुरु, हम जानते हैं कि तू सच्चा है तू सचमुच परमेश्वर के मार्ग की शिक्षा देता है। और तब, कोई क्या सोचता है, तू इसकी चिंता नहीं करता क्योंकि तू किसी व्यक्ति की हैसियत पर नहीं जाता।

17	εἰπὸν	οὖν	ἡμῖν,	τί	σοι	δοκεῖ?	ἔξεστιν	δοῦναι	κῆνσον	Καίσαρι,	ἢ	οὔ?
	बता	तो	हमें	क्या	तुझे	लगता–है	उचित–है	देना	कर	कैसर–को	या	नहीं
	G3004	G3767	G1473	G5101	G4771	G1380	G1832	G1325	G2778	G2541	G2228	G3756

> सो हमें बता तेरा क्या विचार है कि सम्राट कैसर को कर चुकाना उचित है कि नहीं?”

18	γνοὺς	δὲ	ὁ	Ἰησοῦς	τὴν	πονηρίαν	αὐτῶν,	εἶπεν,	Τί	με	πειράζετε,
	जानकर	और	–वह	यीशु	–उस	दुष्टता	उनकी	कहा	क्यों	मुझे	परीक्षा–करते–हो
	G1097	G1161	G3588	G2424	G3588	G4189	G0846	G3004	G5101	G1473	G3985

ὑποκριταί?
कपटियो
G5273

> यीशु उनके बुरे इरादे को ताड़ गया, सो वह बोला, “ओ कपटियों! तुम मुझे क्यों परखना चाहते हो?

19	ἐπιδείξατέ	μοι	τὸ	νόμισμα	τοῦ	κήνσου.	οἱ	δὲ	προσήνεγκαν	αὐτῷ
	दिखाओ	मुझे	–वह	सिक्का	–का	कर–का	–वे	और	लाए	उसके–पास
	G1925	G1473	G3588	G3546	G3588	G2778	G3588	G1161	G4374	G0846

δηνάριον.
दीनार
G1220

> मुझे कोई दीनार दिखाओ जिससे तुम कर चुकाते हो।” सो वे उसके पास दीनार ले आये।

20	καὶ	λέγει	αὐτοῖς,	Τίνος	ἡ	εἰκὼν	αὕτη?	καὶ	ἡ	ἐπιγραφή?
	और	कहता–है	उन–से	किसकी	–यह	मूर्ति	यह	और	–यह	लेख
	G2532	G3004	G0846	G5101	G3588	G1504	G3778	G2532	G3588	G1923

> तब उसने उनसे कहा, “इस पर किसकी मूरत और लेख खुदे हैं?”

21	λέγουσιν	‹αὐτῷ›,	Καίσαρος.	τότε	λέγει	αὐτοῖς,	Ἀπόδοτε	οὖν	τὰ	Καίσαρος
	कहते–हैं	उस–से	कैसर–की	तब	कहता–है	उन–से	दे–दो	तो	–वे	कैसर–की
	G3004	G0846	G2541	G5119	G3004	G0846	G0591	G3767	G3588	G2541

Καίσαρι,	καὶ	τὰ	τοῦ	Θεοῦ	τῷ	Θεῷ.
कैसर–को	और	–वे	–के	परमेश्वर	–को	परमेश्वर
G2541	G2532	G3588	G3588	G2316	G3588	G2316

> उन्होंने उससे कहा, “महाराजा कैसर के।” तब उसने उनसे कहा, “अच्छा तो फिर जो महाराजा कैसर का है, उसे महाराजा कैसर को दो, और जो परमेश्वर का है, उसे परमेश्वर को।”

22	καὶ	ἀκούσαντες	ἐθαύμασαν;	καὶ	ἀφέντες	αὐτὸν	ἀπῆλθαν.
	और	सुनकर	चकित–हुए	और	छोड़कर	उसे	गए
	G2532	G0191	G2296	G2532	G0863	G0846	G0565

> यह सुनकर वे अचरज से भर गये और उसे छोड़ कर चले गये।

23	Ἐν	ἐκείνῃ	τῇ	ἡμέρᾳ	προσῆλθον	αὐτῷ	Σαδδουκαῖοι,	λέγοντες	μὴ	εἶναι
	–में	उस	–उस	दिन	आए	उसके–पास	सदूकी	कहते–हुए	न	होना
	G1722	G1565	G3588	G2250	G4334	G0846	G4523	G3004	G3361	G1510

ἀνάστασιν,	καὶ	ἐπηρώτησαν	αὐτὸν,
पुनरुत्थान	और	पूछा	उस–से
G0386	G2532	G1905	G0846

> उसी दिन (कुछ सदूकी जो पुनरुत्थान को नहीं मानते थे) उसके पास आये। और उससे पूछा,

24 λέγοντες, Διδάσκαλε, Μωϋσῆς εἶπεν, Ἐάν τις ἀποθάνῃ μὴ ἔχων τέκνα,
कहते-हुए गुरू मूसा कहा यदि कोई मरे न रखते-हुए बच्चे
G3004 G1320 G3475 G3004 G1437 G5100 G0599 G3361 G2192 G5043

ἐπιγαμβρεύσει ὁ ἀδελφὸς αὐτοῦ τὴν γυναῖκα αὐτοῦ, καὶ ἀναστήσει σπέρμα
विवाह-करे -वह भाई उसका -उस पत्नी उसकी और उठाएगा वंश
G1918 G3588 G0080 G0846 G3588 G1135 G0846 G2532 G0450 G4690

τῷ ἀδελφῷ αὐτοῦ.
-के भाई उसके
G3588 G0080 G0846

> “गुरु, मूसा के उपदेश के अनुसार यदि बिना बाल बच्चों के कोई, मर जाये तो उसका भाई, निकट सम्बन्धी होने के नाते उसकी विधवा से ब्याह करे और अपने भाई का वंश बढ़ाने के लिये संतान पैदा करे।

25 ἦσαν δὲ παρ’ ἡμῖν ἑπτὰ ἀδελφοί; καὶ ὁ πρῶτος, γήμας, ἐτελεύτησεν,
थे और -पास हमारे सात भाई और -वह पहला विवाह-करके मरा
G1510 G1161 G3844 G1473 G2033 G0080 G2532 G3588 G4413 G1060 G5053

καὶ μὴ ἔχων σπέρμα, ἀφῆκεν τὴν γυναῖκα αὐτοῦ τῷ ἀδελφῷ αὐτοῦ.
और न रखते-हुए वंश छोड़ा -उस पत्नी अपनी -के भाई उसके
G2532 G3361 G2192 G4690 G0863 G3588 G1135 G0846 G3588 G0080 G0846

> अब मानो हम सात भाई हैं। पहले का ब्याह हुआ और बाद में उसकी मृत्यु हो गयी। फिर क्योंकि उसके कोई संतान नहीं हुई, इसलिये उसके भाई ने उसकी पत्नी को अपना लिया।

26 ὁμοίως καὶ ὁ δεύτερος, καὶ ὁ τρίτος, ἕως τῶν ἑπτά.
वैसे-ही भी -वह दूसरा और -वह तीसरा तक -उन सात
G3668 G2532 G3588 G1208 G2532 G3588 G5154 G2193 G3588 G2033

> जब तक कि सातों भाई मर नहीं गये दूसरे, तीसरे भाईयों के साथ भी वैसा ही हुआ

27 ὕστερον δὲ πάντων, ἀπέθανεν ἡ γυνή.
बाद-में और सब-के मरी -वह पत्नी
G5305 G1161 G3956 G0599 G3588 G1135

> और सब के बाद वह स्त्री भी मर गयी।

28 ἐν τῇ ἀναστάσει, οὖν, τίνος τῶν ἑπτὰ ἔσται γυνή? πάντες γὰρ ἔσχον
-में -उस पुनरुत्थान तो किसकी -उन सात होगी पत्नी सब-ने क्योंकि रखा
G1722 G3588 G0386 G3767 G5101 G3588 G2033 G1510 G1135 G3956 G1063 G2192

αὐτήν.
उसे
G0846

> अब हमारा पूछना यह है कि अगले जीवन में उन सातों में से वह किसकी पत्नी होगी क्योंकि उसे सातों ने ही अपनाया था?”

29 ἀποκριθεὶς δέ, ὁ Ἰησοῦς εἶπεν αὐτοῖς, Πλανᾶσθε, μὴ εἰδότες τὰς
उत्तर-देकर और -वह यीशु कहा उन-से भटकते-हो न जानते-हुए -उन
G0611 G1161 G3588 G2424 G3004 G0846 G4105 G3361 G1492 G3588

γραφὰς, μηδὲ τὴν δύναμιν τοῦ Θεοῦ.
पवित्रशास्त्रों न -उस शक्ति -की परमेश्वर
G1124 G3366 G3588 G1411 G3588 G2316

> उत्तर देते हुए यीशु ने उनसे कहा, “तुम भूल करते हो क्योंकि तुम शास्त्रों को और परमेश्वर की शक्ति को नहीं जानते।

30 ἐν γὰρ τῇ ἀναστάσει, οὔτε γαμοῦσιν, οὔτε γαμίζονται, ἀλλ’ ὡς ἄγγελοι
–में क्योंकि –उस पुनरुत्थान न विवाह–करते न विवाह–दिए–जाते परन्तु जैसे स्वर्गदूत
G1722 G1063 G3588 G0386 G3777 G1060 G3777 G1061 G0235 G5613 G0032

‹θεοῦ› ἐν τῷ οὐρανῷ εἰσιν.
परमेश्वर–के –में –उस स्वर्ग हैं
G2316 G1722 G3588 G3772 G1510

> तुम्हें समझाना चाहिये कि पुर्नजीवन में लोग न तो शादी करेंगे और न ही कोई शादी में दिया जायेगा। बल्कि वे स्वर्ग के दूतों के समान होंगे।

31 περὶ δὲ τῆς ἀναστάσεως τῶν νεκρῶν, οὐκ ἀνέγνωτε τὸ ῥηθὲν ὑμῖν
–के–बारे परन्तु –के पुनरुत्थान –के मृतों नहीं पढ़ा –वह कहा–गया तुम–से
G4012 G1161 G3588 G0386 G3588 G3498 G3756 G0314 G3588 G2046 G4771

ὑπὸ τοῦ Θεοῦ, λέγοντος,
द्वारा –के परमेश्वर कहते–हुए
G5259 G3588 G2316 G3004

> इसी सिलसिले में तुम्हारे लाभ के लिए परमेश्वर ने मरे हुओं के पुनरुत्थान के बारे में जो कहा है, क्या तुमने कभी नहीं पढ़ा? उसने कहा था,

32 Ἐγώ εἰμι ὁ Θεὸς Ἀβραὰμ καὶ ὁ Θεὸς Ἰσαὰκ καὶ ὁ Θεὸς
मैं हूं –वह परमेश्वर अब्राहम–का और –वह परमेश्वर इसहाक–का और –वह परमेश्वर
G1473 G1510 G3588 G2316 G0011 G2532 G3588 G2316 G2464 G2532 G3588 G2316

Ἰακώβ? οὐκ ἔστιν ὁ Θεὸς νεκρῶν, ἀλλὰ ζώντων.
याकूब–का नहीं है –वह परमेश्वर मृतों–का परन्तु जीवितों–का
G2384 G3756 G1510 G3588 G2316 G3498 G0235 G2198

> ‘मैं इब्राहीम का परमेश्वर हूँ, इसहाक का परमेश्वर हूँ, और याकूब का परमेश्वर हूँ।’ वह मरे हुओं का नहीं बल्कि जीवितों का परमेश्वर है।”

33 καὶ ἀκούσαντες, οἱ ὄχλοι ἐξεπλήσσοντο ἐπὶ τῇ διδαχῇ αὐτοῦ.
और सुनकर –वे भीड़ें चकित–थीं –पर –उस शिक्षा उसकी
G2532 G0191 G3588 G3793 G1605 G1909 G3588 G1322 G0846

> जब लोगों ने यह सुना तो उसके उपदेश पर वे बहुत चकित हो गए।

34 Οἱ δὲ Φαρισαῖοι, ἀκούσαντες ὅτι ἐφίμωσεν τοὺς Σαδδουκαίους,
–वे परन्तु फरीसी सुनकर कि चुप–कराया –उन सदूकियों
G3588 G1161 G5330 G0191 G3754 G5392 G3588 G4523

συνήχθησαν ἐπὶ τὸ αὐτό,
इकठ्ठे–हुए –पर –वह एक–साथ
G4863 G1909 G3588 G0846

> जब फरीसियों ने सुना कि यीशु ने अपने उत्तर से सदूकियों को चुप करा दिया है तो वे सब इकट्ठे हुए

35 καὶ ἐπηρώτησεν εἷς ἐξ αὐτῶν, νομικὸς, πειράζων αὐτόν,
और पूछा एक –में–से उन व्यवस्था–विद परीक्षा–करते–हुए उसे
G2532 G1905 G1520 G1537 G0846 G3544 G3985 G0846

> उनमें से एक यहूदी धर्मशास्त्री ने यीशु को फँसाने के उद्देश्य से उससे पूछा,

36 Διδάσκαλε, ποία ἐντολὴ μεγάλη ἐν τῷ νόμῳ?
गुरू कौन–सी आज्ञा बड़ी –में –उस व्यवस्था
G1320 G4169 G1785 G3173 G1722 G3588 G3551

> “गुरु, व्यवस्था में सबसे बड़ा आदेश कौन सा है?”

37

ὁ	δὲ	ἔφη	αὐτῷ,	Ἀγαπήσεις	κύριον	τὸν	Θεόν	σου	ἐν	ὅλῃ	τῇ
-वह	और	कहा	उस-से	प्रेम-करेगा	प्रभु	-उस	परमेश्वर-से	तेरे	-में	सम्पूर्ण	-उस
G3588	G1161	G5346	G0846	G0025	G2962	G3588	G2316	G4771	G1722	G3650	G3588

καρδίᾳ	σου,	καὶ	ἐν	ὅλῃ	τῇ	ψυχῇ	σου,	καὶ	ἐν	ὅλῃ	τῇ	διανοίᾳ
हृदय	तेरे	और	-में	सम्पूर्ण	-उस	प्राण	तेरे	और	-में	सम्पूर्ण	-उस	मन
G2588	G4771	G2532	G1722	G3650	G3588	G5590	G4771	G2532	G1722	G3650	G3588	G1271

σου.
तेरे
G4771

> यीशु ने उससे कहा, “सम्पूर्ण मन से, सम्पूर्ण आत्मा से और सम्पूर्ण बुद्धि से तुझे अपने परमेश्वर प्रभु से प्रेम करना चाहिये।”

38

αὕτη	ἐστὶν	ἡ	μεγάλη	καὶ	πρώτη	ἐντολή.
यह	है	-वह	बड़ी	और	पहली	आज्ञा
G3778	G1510	G3588	G3173	G2532	G4413	G1785

> यह सबसे पहला और सबसे बड़ा आदेश है।

39

δευτέρα	‹δὲ›	ὁμοία	αὐτῇ:	Ἀγαπήσεις	τὸν	πλησίον	σου	ὡς	σεαυτόν.
दूसरी	और	समान	उसके	प्रेम-करेगा	-उस	पड़ोसी	तेरे	जैसे	अपने-आप
G1208	G1161	G3664	G0846	G0025	G3588	G4139	G4771	G5613	G4572

> फिर ऐसा ही दूसरा आदेश यह है: ‘अपने पड़ोसी से वैसे ही प्रेम कर जैसे तू अपने आप से करता है।’

40

ἐν	ταύταις	ταῖς	δυσὶν	ἐντολαῖς,	ὅλος	ὁ	νόμος	κρέμαται,	καὶ	οἱ
-में	इन	-उन	दो	आज्ञाओं	सम्पूर्ण	-वह	व्यवस्था	लटकी-है	और	-वे
G1722	G3778	G3588	G1417	G1785	G3650	G3588	G3551	G2910	G2532	G3588

προφῆται.
भविष्यवक्ता
G4396

> सम्पूर्ण व्यवस्था और भविष्यवक्ताओं के ग्रन्थ इन्हीं दो आदेशों पर टिके हैं।”

41

Συνηγμένων	δὲ	τῶν	Φαρισαίων,	ἐπηρώτησεν	αὐτοὺς	ὁ	Ἰησοῦς,
इकट्ठे-हुए	और	-उन	फरीसियों-के	पूछा	उन-से	-वह	यीशु
G4863	G1161	G3588	G5330	G1905	G0846	G3588	G2424

> जब फ़रीसी अभी इकट्ठे ही थे, कि यीशु ने उनसे एक प्रश्न पूछा,

42

λέγων,	Τί	ὑμῖν	δοκεῖ	περὶ	τοῦ	Χριστοῦ?	τίνος	υἱός	ἐστιν?	λέγουσιν
कहते-हुए	क्या	तुम्हें	लगता-है	-के-बारे	-के	मसीह	किसका	पुत्र	है	कहते-हैं
G3004	G5101	G4771	G1380	G4012	G3588	G5547	G5101	G5207	G1510	G3004

αὐτῷ,	Τοῦ	Δαυίδ.
उस-से	-का	दाऊद
G0846	G3588	G1138

> “मसीह के बारे में तुम क्या सोचते हो कि वह किसका बेटा है?” उन्होंने उससे कहा, “दाऊद का।”

43

λέγει	αὐτοῖς,	Πῶς	οὖν,	Δαυὶδ	ἐν	Πνεύματι	καλεῖ	αὐτὸν	Κύριον,	λέγων,
कहता-है	उन-से	कैसे	तो	दाऊद	-में	आत्मा	बुलाता-है	उसे	प्रभु	कहते-हुए
G3004	G0846	G4459	G3767	G1138	G1722	G4151	G2564	G0846	G2962	G3004

> यीशु ने उनसे पूछा, “फिर आत्मा से प्रेरित दाऊद ने उसे ‘प्रभु’ कहते हुए यह क्यों कहा था:

44	Εἶπεν	Κύριος	τῷ	Κυρίῳ	μου,	Κάθου	ἐκ	δεξιῶν	μου,	ἕως	ἂν	θῶ
	कहा	प्रभु–ने	–को	प्रभु	मेरे	बैठ	–से	दाहिने	मेरी	जब–तक	भी	रखूं
	G3004	G2962	G3588	G2962	G1473	G2521	G1537	G1188	G1473	G2193	G0302	G5087

τοὺς	ἐχθρούς	σου	ὑποκάτω	τῶν	ποδῶν	σου.
–उन	शत्रुओं	तेरे	नीचे	–के	पैरों	तेरे
G3588	G2190	G4771	G5270	G3588	G4228	G4771

> ‘प्रभु ने मेरे प्रभु से कहा: मेरे दाहिने हाथ बैठ कर शासन कर, जब तक कि मैं तेरे शत्रुओं को तेरे अधीन न कर दूँ।’

45	εἰ	οὖν,	Δαυὶδ	καλεῖ	αὐτὸν	Κύριον,	πῶς	υἱὸς	αὐτοῦ	ἐστιν?
	यदि	तो	दाऊद	बुलाता–है	उसे	प्रभु	कैसे	पुत्र	उसका	है
	G1487	G3767	G1138	G2564	G0846	G2962	G4459	G5207	G0846	G1510

> फिर जब दाऊद ने उसे ‘प्रभु’ कहा तो वह उसका बेटा कैसे हो सकता है?”

46	καὶ	οὐδεὶς	ἐδύνατο	ἀποκριθῆναι	αὐτῷ	λόγον,	οὐδὲ	ἐτόλμησέν	τις	ἀπ’
	और	कोई–नहीं	सका	उत्तर–देना	उसे	वचन	न	साहस–किया	किसी–ने	–से
	G2532	G3762	G1410	G0611	G0846	G3056	G3761	G5111	G5100	G0575

ἐκείνης	τῆς	ἡμέρας	ἐπερωτῆσαι	αὐτὸν	οὐκέτι.
उस	–उस	दिन	पूछना	उस–से	फिर
G1565	G3588	G2250	G1905	G0846	G3765

> उत्तर में कोई भी उससे कुछ नहीं कह सका। और न ही उस दिन के बाद किसी को उससे कुछ और पूछने का साहस ही हुआ।